

---

## Kalashtamikrite Shiva Stuti

---

# कालाष्टमीकृते शिवस्तुतिः

---

### Document Information



---

Text title : Kalashtamikrite Shiva Stuti

File name : kALAShtamIkRRiteshivastutiH.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | mahAdevAkhyah ekAdashamAMshaH | adhyAyaH 34  
aShTamIpUjAkathanam | 28-31||

Latest update : October 29, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

कालाष्टमीकृते शिवस्तुतिः

---



(शिवरहस्यान्तर्गते महादेवाख्ये)

- शिवपार्वतीसंवादे -

ईश्वर उवाच ।

जय शङ्कर पार्वतीपते हर  
विधिविष्ण्वन्द्रसुसेविताब्जपाद ।  
उरगेन्द्राभरण प्रसीद शम्भो  
प्रसभं पापमपाकुरुष्व सद्यः ॥ २८ ॥

जय सोमानलसूर्यलोचनाद्य शम्भो  
धृतचन्द्राङ्कजटाकुटीरगङ्गा ।  
परिपाहिपतङ्ग मध्यवास  
विधिमुण्डाभरण प्रसीद देव ॥ २९ ॥

जय सोमकलावतंस शूलपाणे  
गणवृन्दामलसेवन प्रसीद ।  
हर भर्गोरुमहोग्रकालकूट-  
विषभक्षेन्दुकलालसत्कपर्द ॥ ३० ॥

जय साम्ब महोरगेन्द्रहार  
प्रसभं मन्मथनाशन प्रसीद भर्ग ।  
भव भीम महेश्वराव शम्भो  
मयि दृष्टिं करुणां करुष्व शम्भो ॥ ३१ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते कालाष्टमीकृते शिवस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । महादेवाख्यः एकादशमांशः । अध्यायः ३४ अष्टमीपूजाकथनम् । २८-३१ ॥

- .. shrIshivarahasyam . mahAdevAkhyāH ekAdashamAMshaH . adhyAyaH 34  
aShTamIpUjAkathanam . 28-31..

Notes:

Śiva शिव advises about the ŚivaStutiः शिवस्तुतिः as He delivers Upadeśa उपदेश to Pārvatī पार्वती about observing Aṣṭamī अष्टमी - especially that KṛṣṇaPakṣa कृष्णपक्ष - that is known as Kālāṣṭamī कालाष्टमी - and the merits of doing so.

He advises about worshiping Him with Mahādevī महादेवी and His gaṇa-s गणाः; and worshiping His Aṣṭamūrti अष्टमूर्ति.

He also advises about Kālabhairavāṣṭakam कालभैरवाष्टकम्; the latter being meant to be recited for worshiping Bhairava Kālarāja भैरव कालराज.

The Īśvaraproktaṁ Aṣṭamīpūjākathanam ईश्वरप्रोक्तमष्टमीपूजाकथनम् and the Kālabhairavāṣṭakam कालाष्टकम् can be accessed from the links given below.

Proofread by Ruma Dewan

---

*Kalashtamikrite Shiva Stuti*

pdf was typeset on November 2, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

